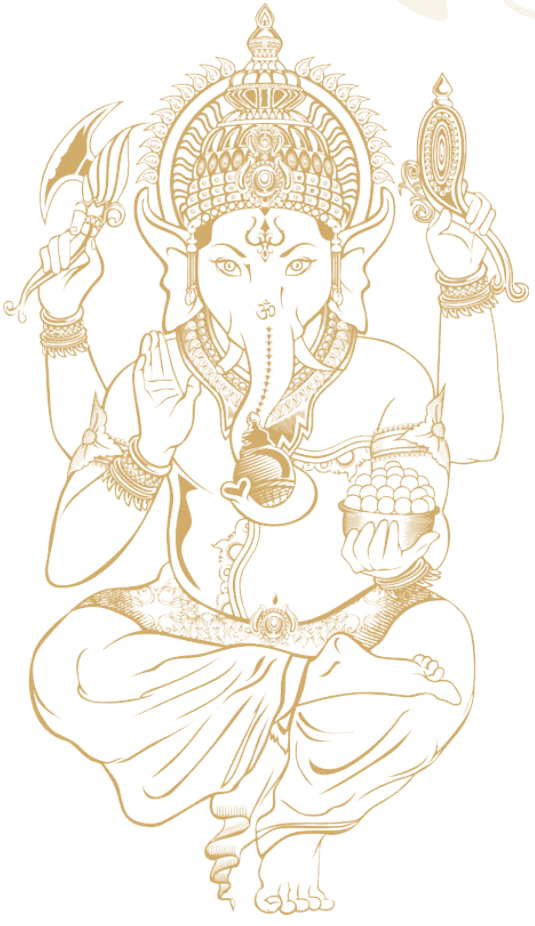

Devanshu

Laxmi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121840501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121840501 Date: 06/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/01/1996	जन्म तिथि	05/08/1999
सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 07:46:00	जन्म समय	18:05:00 घंटे
घटी 00:38:22	जन्म समय(घटी)	30:35:18 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Delhi
30:55:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:30:39	सूर्योदय	05:44:25
17:45:18	सूर्यास्त	19:09:24
23:48:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:53

धनु	लग्न	मकर
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कर्क	राशि	मेष
चन्द्र	राशि-स्वामी	मंगल
आश्लेषा	नक्षत्र	कृतिका
बुध	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	1
विष्कुम्भ	योग	वृद्धि
वणिज	करण	तैतिल
डी-डीगेश्वर	जन्म नामाक्षर	अ-आकांक्षा
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
मार्जार	योनि	मेष
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	गरूड़

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 10मा 26दि		26:09:24	धनु	लग्न	मक	01:38:17	सूर्य 4वर्ष 9मा 10दि	
शुक्र		23:15:57	धनु	सूर्य	कर्क	18:48:37	राहु	
04/12/2018		17:31:28	कर्क	चंद्र	मेष	29:22:39	16/05/2021	
04/12/2038		05:54:38	मक	मंगल	तुला	19:49:22	17/05/2039	
शुक्र	05/04/2022	11:03:44	मक	बुध व	कर्क	04:45:23	राहु	28/01/2024
सूर्य	05/04/2023	07:16:26	धनु	गुरु	मेष	10:30:47	गुरु	22/06/2026
चन्द्र	04/12/2024	27:31:39	मक	शुक्र व	सिंह	10:27:51	शनि	28/04/2029
मंगल	03/02/2026	26:06:20	कुंभ	शनि	मेष	22:48:21	बुध	16/11/2031
राहु	03/02/2029	28:18:17	कन्या व	राहु व	कर्क	19:06:24	केतु	03/12/2032
गुरु	05/10/2031	28:18:17	मीन व	केतु व	मक	19:06:24	शुक्र	04/12/2035
शनि	04/12/2034	05:57:07	मक	हर्ष व	मक	21:03:28	सूर्य	28/10/2036
बुध	04/10/2037	01:08:24	मक	नेप व	मक	08:51:17	चन्द्र	28/04/2038
केतु	04/12/2038	08:22:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:56:22	मंगल	17/05/2039

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:53

लग्न-चलित

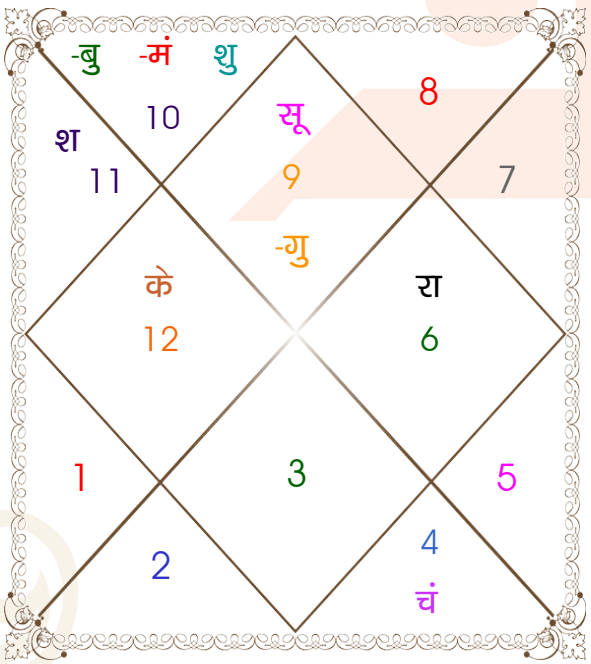

लग्न-चलित

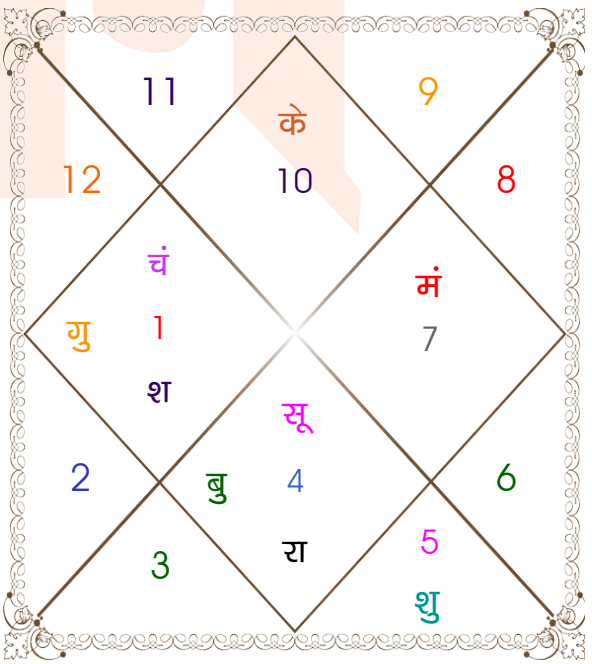

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

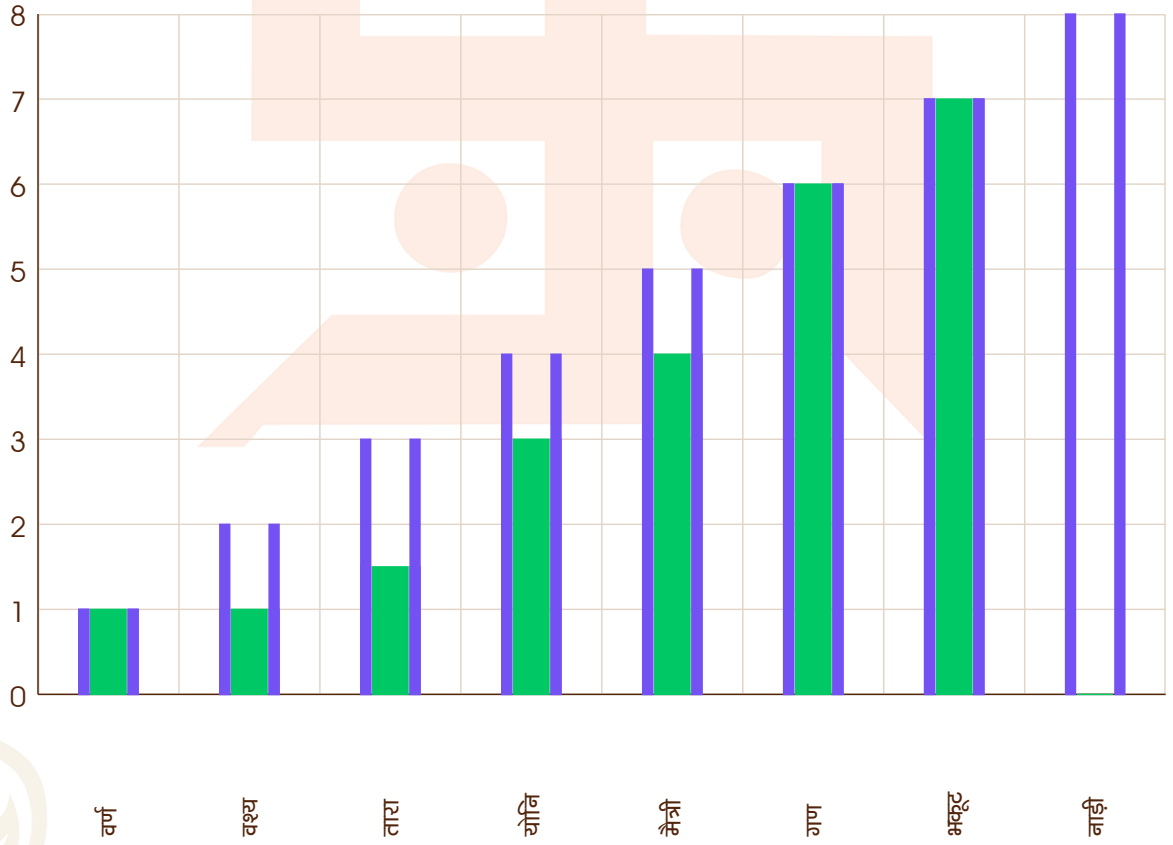

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Devanshu का वर्ग श्वान है तथा Laxmi का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Devanshu और Laxmi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Devanshu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Laxmi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Devanshu तथा Laxmi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Devanshu का वर्ण ब्राह्मण तथा Laxmi का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Laxmi में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Laxmi आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Laxmi सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

Devanshu का वश्य जलचर है एवं Laxmi का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Devanshu की तारा वध तथा Laxmi की तारा क्षेम है। Devanshu की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Devanshu बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Devanshu को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Laxmi लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Devanshu की योनि मार्जार है तथा Laxmi की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Devanshu का राशि स्वामी Laxmi के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Laxmi का राशिस्वामी Devanshu के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Devanshu का गण राक्षस है तथा Laxmi का गण भी राक्षस है। अर्थात Laxmi का गण Devanshu के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Devanshu एवं Laxmi दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Devanshu से Laxmi की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Laxmi से Devanshu की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Devanshu एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Laxmi को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Laxmi हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Devanshu की नाड़ी अन्त्य है तथा Laxmi की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Devanshu एवं Laxmi की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Devanshu की जन्मराशि कर्क तथा Laxmi की राशि मेष है। कर्क राशि जलतत्व तथा मेषराशि अग्नितत्व हैं। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं जलतत्व में परस्पर असमानता एवं शत्रुता का भाव रहता है अतः इसके प्रभाव से Devanshu और Laxmi के मध्य स्वभावगत विषमताएँ रहेंगी जिससे दाम्पत्य सम्बंधों में मधुरता न्यून ही रहेगी। अतः यह मिलान विशेष उत्तम नही रहेगा।

Devanshu का राशिस्वामी चन्द्र तथा Laxmi का राशिस्वामी मंगल परस्पर मित्र तथा समभाव में पड़ते है। अतः सामंजस्य की अवस्था मे यह ग्रहस्थिति शुभ रहेगी इसके प्रभाव से Devanshu और Laxmi परस्पर एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा दोषों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इससे दोनों के मध्य विवादों में न्यूनता आएगी तथा दाम्पत्य जीवन के सुख शान्ति में वृद्धि होगी।

Devanshu और Laxmi की राशियां परस्पर चतुर्थ तथा दशम भाव में पड़ती हैं यह एक शुभ भकूट है। इसके शुभ प्रभाव से आप दोनों के जीवन में मधुरता का भाव रहेगा तथा Devanshu ओर Laxmi परिश्रमपूर्वक सुख साधनों को अर्जित करके सुखपूर्वक उनका उपभोग करेंगे। साथ ही Devanshu अपने स्वाभाविक गुणों से Laxmi को प्रसन्न करने में सफल रहेंगे फलतः आपस में प्रेम लगाव एवं आकर्षण का भाव रहेगा।

Devanshu का वश्य जलचर तथा Laxmi का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से जलचर तथा चतुष्पद में समानता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से Devanshu एवं Laxmi की अभिरूचियाँ समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में समता रहेगी। साथ ही कामभावनाओ की पूर्णता भी रहेगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में भी समर्थ रहेंगे।

Devanshu का वर्ण ब्राह्मण तथा Laxmi का वर्ण क्षत्रिय है। Devanshu की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में अधिक रहेगी तथा Laxmi साहसिक एवं पराक्रमी कार्यो में रूझान रखेगी। अतः कार्य क्षेत्र में Devanshu और Laxmi प्रगति एवं समृद्धि प्राप्त करेगे।

धन

Devanshu और Laxmi दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Devanshu तथा Laxmi दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यो को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे Laxmi को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त Laxmi को यदा कदा यौन संबंी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Devanshu और Laxmi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Devanshu और Laxmi के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Laxmi के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Laxmi को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Laxmi को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Devanshu और Laxmi सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Devanshu और Laxmi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Laxmi के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Laxmi को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Laxmi भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा

तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Laxmi को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Laxmi उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Laxmi के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Laxmi के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Devanshu के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Devanshu अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Devanshu के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Devanshu के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।